खबर संक्षेप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलमीत सिंह के निवास पहुंचे उमंग सिंगार

शहडोल । मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार मंगलवार को अपने शहडोल प्रवास के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष, कारोबारी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलमीत सिंह के निवास पर पहुंचे। इस अवसर पर उनके परिजनों ने पारंपरिक रूप से सम्मान कर स्वागत किया। संक्षिप्त बातचीत के दौरान उमंग सिंगार ने कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में राहुल गांधी द्वारा दिए गए कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंचे और जनता की आवाज को उठाए। भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भूमिका निर्णायक होगी और संगठन की मजबूती ही जीत की कुंजी साबित होगी। उमंग सिंगार ने बलमीत सिंह और उनके परिजनों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके सहयोग और स्नेह से उन्हें हमेशा ऊर्जा मिलती है।

5 लाख की डील, 5 लाख हड़पने का आरोप

शहडोल। जमीन की खरीद-फरोख्त को लेकर सोहागपुर तहसील में बड़ा विवाद सामने आया है। मामला राजस्व ग्राम कुदरी की भूमि खसरा नंबर 418/4 (रकबा 0.790 हेक्टेयर, जुज भाग 0.131 हेक्टेयर) से जुड़ा है। ग्राम खैरहा निवासी सुनील कुमार शर्मा ने कलेक्टर जनसुनवाई में आवेदन देकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि आरोपी अनीता वर्मन पति रामरतन वर्मन, अपने अन्य सह-स्वामियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी और छल कर रही है। शिकायत के अनुसार 12 जुलाई 2025 को आरोपी अनीता वर्मन ने उक्त भूमि का विक्रय 55 लाख रुपये में करने का अनुबंध सुनील शर्मा से किया था और 5 लाख रुपये की अग्रिम राशि भी प्राप्त की थी। अनुबंध नोटरी के समक्ष लिखाया गया और यह स्पष्ट हुआ कि शेष राशि बंटवारा पूरा होने पर पंजीयन के समय दी जाएगी, लेकिन प्रार्थी का आरोप है कि अगस्त-सितंबर में जब उसने जानकारी मांगी तो आरोपी टालमटोल करती रही। बाद में पता चला कि आरोपी ने उसी भूमि का विक्रय अनुबंध सौरभ प्रताप सिंह, अमित कुमार और प्रकाश द्विवेदी के साथ 3 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि पर कर दिया। इतना ही नहीं, 12 सितम्बर 2025 को 3 लाख 04 हजार रुपये की स्टाम्पिंग कराकर उपपंजीयक कार्यालय में दस्तावेज भी पंजीकृत करा दिया गया, जबकि पहले का अनुबंध जानबूझकर छिपा लिया गया।सुनील शर्मा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में 09 सितंबर को उपपंजीयक को आपत्ति पत्र और 14 सितंबर को समाचार पत्र में आम सूचना प्रकाशित कराई थी, फिर भी रजिस्ट्री कर दी गई। प्रार्थी का कहना है कि यह मामला स्पष्ट धोखाधड़ी और कपट का है जिसमें सेवा प्रदाता और उपपंजीयक की मिलीभगत की आशंका भी है। पीड़ित ने कलेक्टर से मांग की है कि आरोपी महिला और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए और उसे न्याय दिलाया जाए।

नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम ज्ञापन

वोट चोरी, खाद की कालाबाजारी मुद्दे पर गरजे सिंगार

शहडोल ।

मंगलवार को कांग्रेस ने किसानों की बदहाली, खाद की कालाबाजारी, युवाओं की बेरोजगारी, अवैध उत्खनन और वोट चोरी जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के नेतृत्व में जिला संयुक्त कार्यालय पहुंचे सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा स्वयं ज्ञापन लेने से इनकार कर प्रतिनिधि भेजने पर विवाद खड़ा हो गया। उमंग सिंगार की तीखी आपत्ति के बाद कलेक्टर को झुकना पड़ा और उन्होंने सभी को सभागार में बुलाकर ज्ञापन लिया। मौके पर जिले के बड़े कांग्रेसी नेता, व्यापारी और प्रबुद्धजन भी मौजूद रहे। किसानों की बदहाली, युवाओं की बेरोजगारी, अवैध उत्खनन और वोट चोरी जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल ने प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, व्यापारी और प्रबुद्धजन जिला संयुक्त कार्यालय पहुंचे।

बता दो, नेता प्रतिपक्ष है

ज्ञापन सौंपने से पहले कांग्रेसजनों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए वोट चोर गद्दी छोड़ो और तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। स्थिति तब गरमा गई जब कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने स्वयं ज्ञापन लेने से इनकार कर दिया और अपने प्रतिनिधि सरोधन सिंह को भेज दिया। इस पर उमंग सिंगार नाराज हो गए और तीखे लहजे में कहा बता दो, नेता प्रतिपक्ष कोई आम आदमी नहीं है, वह प्रदेश विधानसभा में विपक्ष का चेहरा है। उमंग सिंगार की इस सख्त प्रतिक्रिया के बाद कलेक्टर का रुख बदल गया और उन्होंने तत्काल सभी कांग्रेसजनों को जिला संयुक्त कार्यालय स्थित सभागार में बुलाकर ज्ञापन स्वीकार किया। इस मौके पर शहडोल के पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। सभागार में उमंग सिंगार के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, नीरज द्विवेदी, राकेश कटारे सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवादल के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

दर-दर भटक रहा जिला का युवा

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने बताया कि ज्ञापन में किसानों को खाद-बीज की भारी कमी से हो रही परेशानी, खाद की कालाबाजारी, बिजली बिलों की मार और युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठाया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि स्थानीय उद्योगों और कंपनियों में बाहरी लोगों को रोजगार दिया जा रहा है, जबकि जिले के युवक दर-दर भटक रहे हैं। साथ ही अवैध उत्खनन और वोट चोरी जैसे लोकतंत्र विरोधी मामलों पर भी कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई। उमंग सिंगार ने चेतावनी दी कि यदि किसानों और युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस सडक़ से विधानसभा तक आंदोलन करेगी। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि कांग्रेस अब आक्रामक तेवर में है और जनता की आवाज राज्यपाल तक पहुंचाने के लिए हर मोर्चे पर तैयार है।

कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर सिंगार का किनारा

शहडोल।

मध्यप्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर उठे सवालों पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने सावधानी भरा रुख अपनाया है। शहडोल प्रवास के दौरान जब मीडिया ने उनसे कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य कमलेश्वर पटेल के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया पूछी, तो उन्होंने साफ कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है और वह इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे।

दरअसल, कुछ दिन पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को नसीहत दी थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस संगठन में प्रतिस्पर्धा तो रही है, लेकिन इतनी गुटबाजी भी नहीं होनी चाहिए कि पार्टी ही बिखरने लगे। उनके इस बयान के बाद प्रदेश कांग्रेस में आंतरिक खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई थीं।

इसी बीच शहडोल पहुंचे उमंग सिंगार से जब इस मुद्दे पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने विवाद से दूरी बनाते हुए कहा कि वे इस बयान से अनभिज्ञ हैं और इस पर कुछ भी नहीं कहेंगे। गौरतलब है कि उमंग सिंगार इन दिनों किसान न्याय यात्रा एवं वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम के तहत शहडोल संभाग के दौरे पर हैं। उनके इस रुख को पार्टी के अंदरूनी मसले से बचने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

बोलेरो चालक ने वसूले पैसे: उमंग सिंगार ने भाजपा सरकार पर बोला हमला

प्रोटोकॉल में लापरवाही से आहत एएसआई फूट-फूटकर रोए

शहडोल।

ओरिएंट पेपर मिल स्थित ओपीएम शिक्षण केंद्र में कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा और वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम के तहत पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के दौरे के दौरान बेहद भावुक दृश्य देखने को मिला। यहां प्रोटोकॉल ड्यूटी में तैनात एएसआई ए.के. सेन मीडिया से बात करते हुए अचानक फूट-फूटकर रो पड़े। श्री सेन ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए बताया कि उन्हें और अन्य पुलिसकर्मियों को प्रोटोकॉल की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन न तो रातभर ठहरने की कोई व्यवस्था की गई और न ही भोजन-पानी की सुविधा। मजबूरी में उन्हें लगभग 25 किलोमीटर दूर शहडोल लौटना पड़ा। इस दौरान प्रोटोकॉल के लिए पुलिस लाइन से ठेके पर ली गई बोलेरो एमपी-18-सीए-0893 के चालक ने उनसे जबरन डीजल का पैसा वसूला। श्री सेन ने कहा कि गाड़ी तभी आगे बढ़ी जब उन्होंने जेब से 500 निकालकर चालक को दिए। इस अपमान और लापरवाही से उनका मन इतना व्यथित हुआ कि वे मीडिया के सामने आंसू रोक नहीं पाए। इसी दौरान पास खड़े होमगार्ड राजकुमार वर्मा ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सरकारी ड्यूटी निभाने के बावजूद उन्हें अपने जेब से पेट्रोल भराना पड़ा और रातभर भटकते रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने मामले को गंभीर बताते हुए भाजपा सरकार पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा अगर ड्यूटी पर लगे पुलिसकर्मियों और होमगार्ड तक के साथ ऐसा हो रहा है, तो आम जनता की हालत क्या होगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा सरकार पूरी तरह असंवेदनशील हो चुकी है और प्रोटोकॉल तक का मजाक बना दिया गया है।

जहां सीखी थी एबीसीडी: वहीं लौटे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार

पुराने स्कूल पहुंचकर हुए भावुक

शहडोल।

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार मंगलवार की सुबह अचानक अपने बचपन के उस विद्यालय जा पहुंचे, जिसने उन्हें अक्षर ज्ञान सिखाया था। नगर परिषद बकहो के ओरिएंट पेपर मिल परिसर स्थित ओपीएम शिक्षण संस्थान में पहुंचते ही उनका चेहरा चमक उठा और आंखों में पुरानी यादों की परछाईं तैर गई। बताया जाता है कि वर्ष 1982 के दौरान जब वे शहडोल जिले में रहते थे, तब उनकी प्रारंभिक शिक्षा इसी विद्यालय से हुई थी। लंबे समय बाद उस पवित्र धरा पर कदम रखते ही उमंग सिंगार अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाए और बचपन की कक्षाओं में जाकर उन दिनों को याद किया। करीब सुबह 9 बजे उनका काफिला अमलाई थाना क्षेत्र स्थित विद्यालय में पहुंचा। यहां विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, विद्यार्थी और ओरिएंट पेपर मिल के पदाधिकारी पहले से मौजूद थे। बच्चों और शिक्षकों के बीच सिंगार ने खुले दिल से बातचीत की और अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह वही भूमि है, जिसने उन्हें एबीसीडी सिखाया और जीवन के संस्कार दिए। उन्होंने कहा आज जो भी मैं हूं, उसकी नींव इसी विद्यालय ने रखी है। यहां आकर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं फिर से अपने बचपन में लौट आया हूं। विद्यालय परिसर में बच्चों के साथ फोटो सेशन करते हुए वे बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने कक्षा में बैठकर उन बेंचों पर भी समय बिताया, जहां कभी वे पढ़ाई किया करते थे। बच्चों से सवाल-जवाब करते हुए उन्होंने कक्षा 10 की छात्रा दिव्यांका सिंह, कक्षा 06 की छात्रा प्रांजल केशरवानी एवं कक्षा 08 वीं की छात्रा पीहू त्रिपाठी के उत्साहवर्धन के लिए 05-05 हजार रुपए की राशि भेंट की। इसी दौरान उन्हें जानकारी दी गई कि विद्यालय के एक छात्र, जो रणविजय सिंह के पुत्र रणवीर सिंह कक्षा 11 वीं के छात्र हैं और वर्तमान में कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं, उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिता में शहडोल और ओपीएम क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने 51 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। करीब ढाई घंटे तक विद्यालय में समय बिताने के बाद जब सिंगार वहां से रवाना हुए, तो हर किसी के चेहरे पर गर्व और आत्मीयता साफ झलक रही थी। बच्चों से लेकर शिक्षकों तक सबको यह अनुभव जीवन भर याद रहेगा कि प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष अपने व्यस्त राजनीतिक जीवन से समय निकालकर उस विद्यालय में लौटे, जिसने उनके जीवन की बुनियाद रखी थी। यह दौरा केवल स्मृतियों का पुनरावर्तन नहीं था, बल्कि शिक्षा के महत्व और अपने अतीत से जुड़े रहने का एक जीवंत उदाहरण भी था।

प्रदीप सिंह के घर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

शहडोल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार मंगलवार को अपने शहडोल प्रवास के दौरान कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता प्रदीप सिंह के हड़हा स्थित निवास पर पहुंचे। दोपहर करीब 12 बजे बुढ़ार से आगे बढ़ते हुए जैसे ही उनका काफिला प्रदीप सिंह के घर पहुंचा, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने फूलों की वर्षा, ढोल-नगाड़ों और पटाखों से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, कांग्रेस सेवा दल सहित विभिन्न अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आसपास के ग्रामीण मौजूद रहे। उमंग सिंगार ने यहां पहुंचकर ग्रामीणों व क्षेत्रीय बुद्धिजीवियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संगठन सृजन अभियान के तहत सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका सिर्फ सवाल उठाने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना भी है। करीब एक घंटे के प्रवास के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस नेताओं व वरिष्ठजनों से संगठन की मजबूती पर चर्चा की।

धनपुरी में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का भव्य स्वागत

शहडोल।

कोयलांचल नगरी धनपुरी में मंगलवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का आगमन हुआ। उनके स्वागत-सत्कार की कमान वरिष्ठ कांग्रेस नेता इबरार खान ने संभाली। इबरार खान ने अपने निज निवास पर नेताजी का गर्मजोशी से स्वागत किया और पुष्पवर्षा कर पूरे माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय कांग्रेसजन और आम नागरिक उपस्थित रहे। नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात के लिए पार्टीजनों के साथ-साथ आम जनता भी उमड़ी। इबरार खान ने सभी की मुलाकात नेताजी से करवाई, जिससे हर कोई सीधे संवाद कर सका। इससे कार्यकर्ताओं के बीच नया उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। अपने निवास पर थोड़ी देर रुकने के दौरान इबरार खान ने उमंग सिंघार को स्थानीय हालात और जनसमस्याओं से भी अवगत कराया। इसके बाद नेताजी आगे की ओर रवाना हुए। इबरार खान की आत्मीयता और संगठनात्मक क्षमता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता दोनों के बीच गहरी पैठ रखते हैं।

नियम विरुद्ध वर्षों से जमे अधीक्षक पर खामोशी क्यों?

शहडोल। जनजातीय कार्य विभाग के संभागीय उपायुक्त जे.पी. यादव ने जिले के विभिन्न छात्रावासों का निरीक्षण कर अधीक्षकों की लापरवाहियों पर नाराज़गी जताई।

OFFICE OF MUNICIPAL COUNCIL SHAHDOL Distt. SHAHDOL (M.P.)

No./7738/UADD/2025/ETendering **Notice Inviting Tender First Call** Dated: 04.09.2025

Online PECENTAGE RATE bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S.No. /Pkg. /Code	Name of Work	District.	Portable Amount	EMD (in Rupees)	Cost of Document (in Rupees)	Category of Contractor	Period of Completion (in month)
2025_UA D_449398_1	Pole and Transformer Shifting at Indra Chawk to Balpura Squarein municipal council SHAHDOL	SHAHDOL	3281933/-	24614/-	5000/-	PWD ELECTRICAL CONTRACTOR REGISTRATION OF A-CLASS	02 MONTH

1. Interested bidders can view the detailed NIT & Other document on website https://mptenders.gov.in/nicgep/app (Department Name: "Urban Development Department"). 2. The Bid Document can be purchased only online from (time) 05.09.2025 (date) 10.30AM TO 04.10.2025, 17:30PM 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Chief Municipal Officer
Municipal council Shahdol
District-Shahdol (M.P.)

खबर संक्षेप

बोनस निर्धारण में बदलाव की सुगबुगाहट बढ़ी कर्मियों की चिंता

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों को दिये जाने वाले परफार्मेंस लिंक्ड रिवार्ड (पीएलआर) यानी बोनस के मौजूदा निर्धारण पैटर्न में बदलाव की सुगबुगाहट एक बार फिर तेज हो गयी है। जानकार बताते हैं, कि कोल इंडिया इस वर्ष बोनस निर्धारण की परंपरा में बदलाव कर सकती है। 22 सितंबर को नयी दिल्ली में होने वाली जेबीसीसीआइ -11 की मानकीकरण समिति की बैठक में इसपर चर्चा संभव है। बताया जा रहा है, कि स्वतंत्र निदेशकों के दबाव में प्रबंधन यह बदलाव करना चाहता है. निदेशक केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। कैग (सीएजी) भी बिना किसी स्पष्ट स्कीम के बोनस भुगतान पर लगातार आपत्ति जता रहा है। बता दें कि वित्त वर्ष 2024-25 में कोल इंडिया का कंसोलिडेट प्रॉफिट 37,369.13 करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष से 5.53 प्रतिशत कम है। हालांकि मुनाफा अब भी मजबूत है। इससे कोलकर्मियों को इस वर्ष बोनस एक लाख रुपये से अधिक मिलने की उम्मीद है।

19 सितंबर को सांसद खेल महोत्सव की बैठक

उमरिया। शहडोल संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाना है । जिसमें संभाग के तीनो जिलो के ब्लाक तहसील एवं गांव स्तर पर 20 खेलो के साथ साथ सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे । सांसद खेल महोत्सव का उमरिया में सफलतापूर्वक आयोजन हेतु कलेक्टर सभागार में 19 सितंबर को दोपहर 12 बजे से बैठक आयोजित की गई है । बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

नवागत कलेक्टर आशीष तिवारी ने पदभार संभाला

कटनी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2016 बैच के अधिकारी आशीष तिवारी ने सोमवार को पूर्वान्ह कलेक्टर कटनी के पद का कार्यभार ग्रहण किया। नव पदस्थ कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत से कलेक्टर के पद का प्रभार प्राप्त किया। इस मौके पर ज़िला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत और अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्र और संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल मौजूद रहे। कलेक्टर श्री तिवारी इसके पहले मुख्यसचिव कार्यालय में उप सचिव के पद पर पदस्थ थे। राज्य शासन ने कटनी में पदस्थ रहे निवर्तमान कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की पदस्थापना इंदौर नगर निगम आयुक्त के पद पर की है। श्री यादव भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2014 बैच के अधिकारी हैं।

मंदिर निर्माण स्थल का महाराज ने किया निरीक्षण

स्लीमनाबाद। संत भरभरा सरकार बनवारी दास महाराज रविवार को ग्राम पंचायत छपरा पहुंचें जहाँ भक्तों ने बनवारी दास महाराज की भव्य कलश व ढ़ोल नगाड़ो के बीच अगवानी कर पूजा अर्चना की व आशीर्वाद लिया। इसके बाद बनवारी दास महाराज छपरा मै बन रहे हनुमान मंदिर निर्माण स्थल का जायजा लिया। जहाँ मंदिर निर्माण को लेकर उचित मार्गदर्शन लोगों को दिया। इस दौरान नीरज गुप्ता, श्रवण यादव सहित अन्यजनों की उपस्थिति रही।

तीन सर्वश्रेष्ठ आनंद क्लबों को मिलेगा पुरस्कार

कटनी। जनभागीदारी, स्वच्छता, सेवा और जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिएराज्यर शासन के निर्देश पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रदेश में 'सेवा पखवाड़ा अभियान' आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजनमें राज्य आनंद संस्थान के आनंद क्लब भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आनंदम प्रभारी अनिल कांबले ने बताया कि आनंद क्लब अपने स्वैच्छिक आनंदकों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर कई गतिविधियों में सहयोग करेंगे, जिनमें प्रमुख रूप से रक्तदान, वृक्षारोपण, दिव्यांगों की सेवा और स्वच्छता अभियान शामिल हैं।साथ ही अभियान के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी और तस्वीरें एवं वीडियो आनंद क्लबों को संस्थान की वेबसाइट पर अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से अपलोड की जायेगी।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

आगामी त्योहारों को आपसी सौहार्द्र के साथ मनाने की गई अपील

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी की उपस्थिति में कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई।बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने नवदुर्गा पर्व,दशहरा तथा दीपावली का पर्व आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की ।

बैठक में बताया गया कि नवदुर्गा पर्व 22 सितम्बर से प्रारंभ होगा तथा 2 अक्टूबर विजयदशमी के दिन समापन होगा। कलेक्टर ने कहा कि पूजा पंडाल सडक़ों पर नही बनाएं,इससे आवागमन बाधित होने के साथ आमजनों को भी समस्या होती है। मिट्टी से बनी दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना की जाए।पंडालों के सुरक्षा की जवाबदारी आयोजको की होगी।सभी पूजा पंडालों को एमपीईबी से अस्थाई कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा।नवरात्रि के दौरान आर्केस्ट्रा,गरबा के आयोजन के लिए एसडीएम से अनुमति लेनी होगी।समिति के अध्यक्ष व सदस्यों की सूची थाना में उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

विजयादशमी 2 अक्टूबर के दिन जिला मुख्यालय के मंगल भवन,नया बस स्टैंड तथा बहरा धाम मंदिर में रावण के पुतले का दहन किया जाएगा । इसी दिन मंगल भवन तथा नया बस स्टैंड में सायं काल से मूर्तियों का एकत्रीकरण होगा तत्पश्चात मूर्तियों का चल समारोह प्रारंभ होगा, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए विसर्जन कुंड पहुंचेगा। चल समारोह हेतु उपयोग होने वाला वाहन सही कंडीशन का होना चाहिए। डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे वाहनों में केवल सुमधुर भक्ति गीत की बजाए जाएं।नशे की हालत में चल समारोह में चलना प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने कहा कि विसर्जन कुंड बनाने से पहले स्थल का निरीक्षण कर लिया जाए तथा विसर्जन कुंड का क्षेत्रफल बडा रखा जाए।विसर्जन के समय छोटे बच्चों को दूर रखा जाए । विसर्जन स्थल पर होमगार्ड के तैराकों की ड्यूटी लगाई जाए। विसर्जन व्दार छोडक़र कुंड के चारो तरफ रस्सी बांधकर रखा जाए। विसर्जन कुंड मं पर्याप्त संख्या में पुलिस

बल तैनात किया जाए । उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा कि नगर का भ्रमण कर चिन्हित मार्गो की साफ सफाई कराई जाए , जहां डामरीकरण की आवश्यकता हो , उसे मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं लोक निर्माण विभाग व्दारा मरम्मत की जाए। कलेक्टर ने मप्र विद्युत मंडल उमरिया को निर्देशित किया कि त्योहारो के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी के साथ संयुक्त भ्रमण कर जहां कहीं ट्रांसफार्मर खराब है, उसे अविलंब सुधारा जाए।नीचे लटकते तारों को व्यवस्थित किया जाए। बैठक में जिला शांति समिति के सदस्यों ने 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नानवेजो की दुकानों को बंद रखने का सुझाव दिया,जिस पर कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने जिला शांति समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि इस समिति का जिले में सौहार्दपूर्ण रूप से त्योहारों को मनाने में विशेष योगदान है अतः सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभाएं। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान आतिशबाजी की दुकान लगाने वाले, मैन्युफैक्चरिंग तथा भंडारण करने वाले घनी बस्ती के बीच अपनी दुकान किसी भी स्थिति में संचालित नही करेंगे तथा दुकान लगाने का लाइसेंस अनिवार्य रूप से प्राप्त करेंगे।इसके साथ ही सुरक्षा के सभी उपायों का पालन करेंगे।उन्होने कहा कि किसी भी स्थिति में किसी को भी साम्प्रदायिक सौहार्द बिगडऩे की अनुमति नही दी जाएगी।असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर पुलिस व्दारा निरंतर रूप से नजर रखी जाएगी। उन्होने जिला होमगार्ड से कहा कि अधिक गहराई वाले स्थान जहां पर मूर्तियों का विसर्जन होता है, वहां पर तैराकों की तैनातगी की जाए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह सहित जिला शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के दूर दराज से आये लोगों की समस्याओं को सुना तथा निराकरण हेतु आवेदनों को सम्बधित विभाग को ओर प्रेषित किया । जनसुनवाई में रतिया कचेर निवासी शांति मार्ग ने जमीन से कब्जा हटवाने,बुद्ध सेन निवासी चंदिया ने पी एम आवास योजना का लाभ दिलाने, प्रभा शर्मा ग्राम मेढक़ी ने रास्ता दिलाने,श्रीकांत गौतम चंदिया ने बिजली बिल अधिक आने, राम प्रसाद राठौर ने किसान सम्मान निधि का पैसा पुनः दिलाने,दयाराम जायसवाल ग्राम परासी ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने,ग्राम नयागांव,ग्राम कटंगी में सोयबीन की फसल खराब होने पर बीमा का लाभ दिलाने,अमित वर्मा नौगवा टोला ने बिजली विभाग द्वारा गलत जुर्माना लगाने, इंद्रपाल सिंह निवासी उप तहसील बरबसपुर ने अतिवर्षा के कारण छतिग्रस्त मकान के सहायता दिलाने हेतु आवेदन दिया। जनसुनवाई में संयुक कलेक्टर रीता डेहरिया,एस डी एम बाँधवगढ कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर कलसी सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन प्रारंभ

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि दिव्यांगता की त्वरित पहचान हेतु जिला स्तरीय स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जाना है।इस हेतु विभिन्न विभाग यथा महिला बाल विकास विभाग स्कूल शिक्षा विभाग, जन-जातीय कार्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, आयुष विभाग तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग द्वारा समन्वित गतिविधियों का आयोजन कर जिला स्तर पर 15 सितम्बर 2025 से निरन्तर स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है तथा दो माह में सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाएगी। इन शिविरों में चिकित्सकीय परीक्षण उपरांत विकलांगता प्रमाण-पत्र की आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन किया जाएगा।

चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों को जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुनः समुचित परीक्षण कर उपयुक्त दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। जिले से विभिन्न विशेषज्ञों (अस्थी रोग/नेत्र रोग/ई.एन.टी. रोग/मनो चिकित्सक/मेडिसिन विशेषज्ञ आदि) की उपस्थिति निर्धारित शिविर स्थलों पर विकलांगता के आंकलन हेतु सुनिश्चित की जावेगी। 30 नवम्बर 2025 तक चिन्हांकित बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा यूडीआईडी नंबर दिया जाए ताकि उन्हें शासन की पेंशन व अन्य योजना का लाभ दिलाया जा सके। शिविर का उद्देश्य बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान हेतु शिविरों का आयोजन पुनर्वास सेवाओं की प्रदायगी हेतु उचित रेफरल तथा परिजनों की सुविधा हेतु दिव्यांग प्रमाण-पत्रों की विकेन्द्रीकृत प्रदायगी । अवधि 02 माह (15 सितम्बर 2025 से 14 नवम्बर 2025 तक) शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक किया जावेगा । बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान कर स्क्रीनिंग शिविरों के आयोजन तथा दिव्यांगता प्रमाण पत्र के निर्माण हेतु दायित्वो का निर्माण किया गया है । कलेक्टर ने कहा है कि जिले में 0-18 वर्ष के बच्चों का दिव्यांगता स्क्रीनिंग शिविर हेतु सूक्ष्म कार्ययोजना का निर्धारण किये जाने हेतु शिविर दिनांक एवं स्थल तथा मानव संसाधन की नामजद ड्यूटि रोस्टर संबंधी नियोजन किये जाने हेतु निर्देश प्राप्त हुये है। तत्संबंध में सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया जाता है कि शासन निर्देशानुसार अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें।

खनिज के अवैध उत्खनन परिवहन भंडारण पर की गई कार्यवाही

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व्दारा खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम निर्देश दिए गए है। निर्देश के परिपालन में प्रभारी अधिकारी डॉ.विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी,खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस.आर्मो की टीम द्वारा ग्राम बडेरी के पास से खनिज रेत लोड कर परिवहन करते हुए ट्रेक्टर जप्त किया गया । वाहन मालिक बाबा शुक्ला उर्फ सत्येन्द्रनाथ शुक्ला, निवासी ग्राम बडेरी तहसील बांधवगढ,ट्रैक्टर को जप्त कर पुलिस थाना कोतवाली उमरिया में सुरक्षार्थ खडा कराया गया है। साथ ही तहसील नौरोजाबाद अंतर्गत ग्राम छपरी रोड के पास से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए वाहन ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 54 जेड ए 5744 ट्राली क्रमांक निल (सोनालिका डीआई35 नीला रंग) जिसका वाहन चालक संजय कोल पिता हरिशंकर कोल, निवासी ग्राम कुदरी तहसील नौरोजाबाद जिला उमरिया (म.प्र.) तथा ट्रेक्टर जप्त किया गया। वाहन चालक शिवा कोल पिता कैलाश कोल, निवासी कुदरी तहसील नौरोजाबाद से जप्त कर पुलिस थाना नौरोजाबाद मे सुरक्षार्थ खडा कराया गया है।प्रकरणों में म.प्र. खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

उमरिया में गौशालाओं की बदहाली उजागर

हिंदू-मुस्लिम एकता मंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उमरिया। जिले की गौशालाओं और कांजी हाउस की नारकीय स्थिति एक बार फिर उजागर हो गई है। हिंदू-मुस्लिम एकता मंच, उमरिया ने सोमवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल निरीक्षण और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। ग्राम तामन्नारा स्थित कांजी हाउस का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें मवेशी घुटनों तक कीचड़ और गंदगी में खड़े नजर आ रहे हैं। खुले आसमान तले, बिना चारा-पानी और आश्रय के बेहाल जानवर प्रशासन की लापरवाही का जीता-जागता सबूत हैं। वीडियो में कई मवेशियों के पेट खाली दिखे, जो भूख और कुपोषण की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर चारा-पानी के लिए पर्याप्त राशि मिलती है, लेकिन मवेशियों की दशा किसी नरक से कम नहीं है।

पहले भी उठ चुका है मुद्दा, नहीं हुई कार्रवाई

मंच ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि इससे पहले भी ग्राम पंचायत मुडगुडी गौशाला में गायों की मौत और अव्यवस्था पर प्रशासन को अवगत कराया गया था। उस समय जिला प्रशासन ने जांच और सुधार का आश्वासन दिया था, लेकिन तामन्नारा कांजी हाउस का मामला सामने आने से साफ हो गया है कि कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया।

मंच की सख्त माँगें

जिले की सभी गौशालाओं और कांजी हाउस का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। पंचायत स्तर पर चारा-पानी हेतु दी गई राशि का पारदर्शी ऑडिट कराया जाए। दोषी पंचायतों और अधिकारियों पर दंडात्मक कार्यवाही हो। मवेशियों के लिए स्थायी चारागाह, शेड और स्वच्छ आश्रय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला स्तर पर निगरानी समिति बने, जिसमें सामाजिक संगठनों और नागरिकों की भागीदारी हो।

भ्रष्टाचार और लापरवाही का परिणाम है बदहाली

मंच के संस्थापक मोहम्मद असलम शेर ने कहा मवेशी बेजुबान हैं, अपनी पीड़ा खुद नहीं कह सकते। जब पंचायत स्तर पर राशि मिल रही है, फिर भी मवेशी भूखे और गंदगी में जी रहे हैं, तो यह सीधी-सीधी लापरवाही और भ्रष्टाचार है। प्रशासन को तत्काल कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन होगा

मंच के संयोजक राजेंद्र कोल ने चेतावनी दी, आज जिले की गौशालाएं और कांजी हाउस नारकीय स्थिति में हैं। यदि प्रशासन अब भी गंभीर कदम नहीं उठाता तो हम आंदोलन करने को बाध्य होंगे। यह सिर्फ मवेशियों का नहीं बल्कि मानवता का सवाल है। ज्ञापन सौंपते समय मंच के पदाधिकारी अल्ताफ खान, राजेंद्र कुशवाहा, अब्दुल साबित, कृष्णकांत साहू, आकाश द्विवेदी, शुभम महोबिया, अंबर शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरसेटी उमरिया में राजमिस्त्रीयों का प्रशिक्षण, सीखे नये गुर

उमरिया। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत उमरिया के अंतर्गत 30 दिवसीय राजमिस्त्री का आवासीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 35 पुरूष प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अरूण भारद्वाज ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी को सतत रूप से कार्य करने के लिए कहा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चंद्रभान सिंह, (डीपीएम-एनआरएलएम) द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अपनी शुभकामनायें दी और कहा कि आपने जो प्रशिक्षण में सीखा है उसे यहॉ से जाने के बाद सतत रूप से करें। निर्देशक डा. तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा आपने जो यह 30 दिवसीय राजमिस्त्री का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है, प्रशिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है,उसे यहां से जाने के बाद अभ्यास व मेहनत करें जिससे आप को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो । प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों का असेसमेंट ओपी चतुर्वेदी (असिस्टेंट कंट्रोलर) के नियंत्रण में सत्यम सिंह ईडीपी एसेसर एवं महेश कुमार कुमार विश्वकर्मा (डीएसए) के द्वारा किया गया जिसमें दिगंबर सिंह ने सर्वाधिक 67:अंक प्राप्त किया। कार्यक्रम को अगृणी प्रबंधक श्री सेवकराम सोनवानी एवं पत्रकार के.के. शुक्ला की उपस्थिती में किया गया। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

पोषण माह का आयोजन 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक किया जाएगा

उमरिया। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पोषण माह 2025 का आयोजन 17 सितंबर 2025 से 16 अक्टूबर 2025 के दौरान जनआंदोलन के रूप में किया जाना है। पोषण माह 2025 का शुभारंभ 17 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री द्वारा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ के अवसर पर किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को राशि भी जारी की जाएगी । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान एवं पोषण माह में समन्वित प्रयास माता,किशोरी एवं बच्चों के पोषण पर प्रभावी रूप से कार्य करने के उद्देश्य से शासन द्वारा माईक्रोप्लान जारी किया गया हैं। माईक्रोप्लान अनुसार सभी संबंधित विभागों के लिये गतिविधियाँ निर्धारित की गई है।उन्होने कहा है कि थीम अनुसार जिला, परियोजना एवं ऑगनवाडी स्तर पर गतिविधियाँ आयोजित करने के साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निर्धारित कार्यकम में आपके विभाग से संबंधित सहयोग हेतु स्थानीय विभागीय अमले को निर्देश जारी करना सुनिश्चित करें। पोषण माह की समाप्ति उपरान्त पालन प्रतिवेदन जिला कार्यकम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला उमरिया के माध्यम से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

मेरा युवा भारत अनूपपुर ने मनाया गया हिन्दी दिवस

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। 16 सितंबर को मेरा युवा भारत अनूपपुर के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर आर आर सिंह एवं कार्यक्रम सहायक मनीष चौहान के कुशल मार्गदर्शन में विकासखंड जैतहरी के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी में मनाया गया हिन्दी दिवस उक्त कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मति रतन वर्मा शिक्षक पतिराम मरावी, पोड़ी छात्रावास के अधीक्षक संजय कुमार चौधरी शिक्षक, राकेश कुमार नट, ओमप्रकाश राठौर हुकुम चन्द प्रजापति, पारस मणि तिवारी सुमेश कुमार, उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में शिक्षक राकेश कुमार नट द्वारा बताया गया कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और इसके प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करना है 14 सितंबर 1949 को भारतीय

संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था तभी से यह दिन हर वर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और साथ ही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यम विद्यालय पोड़ी के 12 वि की छात्रा रिया गुप्ता के द्वारा बताया कि यह तारीख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 1975 में इसी दिन नागपुर में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित हुआ था। बाद में 2006 से हर साल इस दिन को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा उक्त कार्यक्रम का आयोजन आनंदम सोशल वेलफेयर सोसाइटी धनगंवा पूर्वी संस्था के प्रतिनिधि दिनेश विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

खबर संक्षेप

सद्भावना पब्लिक स्कूल में किया गया पौधारोपण

ब्यौहारी शहडोल। ब्यौहारी विकासखंड के अंतर्गत सद्भावना पब्लिक स्कूल आँखेपुर में पौधारोपण किया गया सद्भावना स्कूल के प्रधानाचार्य राजकुमार पटेल द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं विभागों के साथ पौधा रोपण कर धरती को हरा भरा बनाने का संदेश दिया।

विश्व ओजोन दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

शहडोल। जिले के शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेण्ड्री रघुराज क्रमांक-02 में विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर एक दिवसीय पर्यावरण संगोष्ठी एवं वर्कशॉप सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम क्षेत्रीय अधिकारी मुकेश श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बताया कि ओजोन परत के क्षरण से मनुष्यों में त्वचा रोग, कैंसर, मोतियाबिंद और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) एवं अन्य हानिकारक गैसों के उपयोग पर रोक लगाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कार्यक्रम में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने, प्लास्टिक एवं सिंगल-यूज प्लास्टिक से परहेज करने तथा कपड़े के थैले अपनाने का संदेश दिया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आए विश्वनाथ वर्मा ने ई-वेस्ट, बैटरी वेस्ट एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक प्राचार्य ने सभी छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक शपथ ग्रहण कर ओजोन दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम में म. प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से पर्यावरण जनजागरूकता सहायक विश्वनाथ वर्मा, सुश्री शालिनी जायसवाल, बालेन्द्र सिंह, धनंजय कुशवाहा, विद्यालय स्टाफ से डॉ. मनोज श्रीवास्तव, आर.पी. सिंह, श्रीमती अलका लाल, अख्तर हुसैन, मोहम्मद शहाबुद्दीन, अंजुम खान सहित कक्षा 10 वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

शहडोल। जिले में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य को मजबूत कर परिवार और समाज को सशक्त बनाने की दिशा में इसे जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। अभियान के तहत जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में महिला स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा। इन शिविरों में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग, एनीमिया और क्षय रोग की जांच, सिकल सेल जांच तथा परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेषज्ञ चिकित्सकों में स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक और दंत चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. मिश्रा ने बताया कि मातृ और शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर विशेष जोर दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श, मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड का वितरण और टीकाकरण की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही निक्षय मित्र नामांकन अभियान भी चलाया जाएगा ताकि जिले को टीबी मुक्त बनाया जा सके। इस दौरान रक्तदान शिविर भी रेडक्रॉस सोसायटी और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे। 1 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस' मनाया जाएगा। अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा, उच्च शिक्षा, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और नगरीय निकाय विभागों का सहयोग लिया जाएगा। व्यापक जन-जागरूकता के लिए जनसंचार माध्यमों, सोशल मीडिया और सामुदायिक स्तर की गतिविधियों का उपयोग किया जाएगा।

संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन कर्तव्य निष्ठा को मिला सम्मान

बुढार।

स्टेशन के प्रांगण में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वरिष्ठ संरक्षा अधिकारी /बिलासपुर - साकेत रंजन के निर्देशन में संरक्षा संगोष्ठी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप मे क्षेत्रीय एवं रेल प्रबंधक शहडोल-आर. एस.मोहंती, सहायक मंडल अभियंता /शहडोल - पंकज कुमार, सहायक मंडल विद्युत अभियंता -सी.बी. मुस्तुरिया तथा संरक्षा सलाहकार /बिलासपुर - घनश्याम विश्वकर्मा , चितरंजन कुमार, निर्भय जैन, घनश्याम राज, ओ. पी. पाण्डेय, अश्वनी आनंद राकेश कुमार संरक्षा सलाहकार /सीनियर सेंक्शन इंजीनियर रेल पथ प्रभारी अनूपपुर अनूपम तिवारी,शहडोल, मुख्य स्टेशन प्रबंधक शहडोल-बी. एल. मीणा, मुख्य यातायात निरीक्षक- आर. एस.मीणा, मुख्य स्टेशन प्रबंधक-एम. पी. शर्मा एस एस ई- वीरेंद्र प्रसाद तथा रेलवे के विभिन्न विभागों के लगभग 90 स्टॉफ ने इस संरक्षा संगोष्ठी में भाग लिए।

संगोष्ठी में रेल कर्मचारियों अपनी ड्यूटी के दौरान संरक्षा के प्रति सजग रहने, दुर्घटना के समय रेल कर्मचारी की ड्यूटी (चाहे वे ड्यूटी मे हो या रेल से यात्रा कर रहे हो),इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मानसून कालीन पेट्रोलिंग के दौरान रेलवे ट्रैक पर पानी आ जाने, रेलवे ट्रैक धंस जाने पर पेट्रोलमैन की ड्यूटी तथा परिचालन विभाग के द्वारा शटिंग के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां तथा बीपीएसी फेल हो जाने पर दोनों तरफ के स्टेशन मास्टर को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने के बारे मे विस्तृत रूप से जानकारी दी एवं फ्लैट टायर, हॉट एक्सल, हैंगिंग पार्ट्स की मिलने पर स्टेशन मास्टर तथा पॉइंट्समैन के कर्त्तव्य के बारे मे जानकारी देकर जागरूक किया।

खानूजा निवास में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार

बुढार।

मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की किसान न्याय यात्रा एवं वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम को लेकर अपने प्रवास के दौरान शहडोल संभाग पहुंचे इसी दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलमीत सिंह खानुजा के निवास पहुंचे जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

खानूजा निवास में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से रूबरू होकर जनसामान्य चर्चा की।

इस दौरान विधायक फुंदे लाल सिंह जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, ब्लाक अध्यक्ष सुजीत सिंह चंदेल, प्रदीप सिंह,अरविंद नायक,इबारर खान,मो कलाम,मो आजाद,रतन सोनी, सनाउल्लाह खान,हरनेक सिंह खानूजा, सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

खाद की कालाबाजारी में फर्मासिस्ट और गोदाम प्रभारी निलंबित

शहडोल। जिले में खाद की कालाबाजारी और अवैध परिवहन को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए दो जिम्मेदार कर्मचारियों पर गाज गिरा दी है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने खाद की कालाबाजारी के मामले में तत्काल प्रभाव से फर्मासिस्ट वरुण सिंह और विपणन संघ गोदाम प्रभारी केशरी प्रसाद पटेल को निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, 15 सितंबर 2025 को दूरभाष पर सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन में अवैध रूप से खाद का परिवहन किया जा रहा है। मौके पर रोके गए वाहन से 69 बोरी यूरिया बरामद हुई। पूछताछ में सामने आया कि यह खाद मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ, शाखा ब्यौहारी (मंटोला, डबल लॉक) से निकाली गई थी और इसे मैहर जिले ले जाया जा रहा था। प्राथमिक जांच के दौरान यह भी पाया गया कि शासकीय सिविल अस्पताल ब्यौहारी के फर्मासिस्ट वरुण सिंह मौके पर पहुंचे और जप्ती की कार्रवाई में अवरोध पैदा किया।

बाणसागर में हाथियों का आतंक
ग्रामीणों में दहशत और गुस्सा

शहडोल।

बाणसागर क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार रात करीब 8 बजे शहडोल-रीवा मार्ग पर एक हाथी अपने बच्चे के साथ आ धमका। सडक़ पर हाथियों की मौजूदगी से वाहनों की लंबी कतार लग गई और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत मार्ग को बंद करवा दिया। तीन वन विभागीय टीमें और पुलिस के जवान पूरी रात अलर्ट रहे। इससे पहले दो दिन पहले ही देवलौंद बाणसागर के वार्ड नंबर सात में दो हाथियों ने घरों में तोडफ़ोड़ कर दी थी और खेतों को रौंदकर करीब तीन एकड़ फसल बर्बाद कर दी थी। लगातार हो रहे नुकसान से ग्रामीणों और किसानों में गुस्सा है। उनका कहना है कि वन विभाग केवल चेतावनी और मुनादी तक सीमित है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

सडक़ किनारे बोर्ड तोड़ा, यातायात घंटों ठप्प

हाथियों ने सोमवार रात सडक़ किनारे लगे बोर्ड को भी तोड़ डाला। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया कि हाथियों के सडक़ पर आने की सूचना मिलते ही समधिन नदी के पास पुलिस ने ट्रैफिक रोक दिया था। हाथियों के जंगल की ओर लौटने के बाद ही यातायात बहाल कराया जा सका। वन विभाग के डिप्टी रेंजर शेषमणि शर्मा ने बताया कि पिछले एक साल से शहरगढ़ क्षेत्र में करीब दो दर्जन हाथियों का मूवमेंट दर्ज किया गया है। इन्हीं में से दो हाथी झुंड से अलग होकर बाणसागर क्षेत्र में पहुंच गए हैं। यही हाथी बार-बार घरों और खेतों में नुकसान कर रहे हैं और अब मुख्य मार्ग तक पहुंच गए हैं। विभाग ने मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि अब हालात बेकाबू हो रहे हैं। हाथियों का लगातार आना-जानासिर्फ फसलों को ही नहीं बल्कि जान-माल को भी खतरे में डाल रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों की इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, वरना ग्रामीण उग्र आंदोलन करेंगे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में लापरवाही से स्थाई कर्मी की मौत
छुट्टी न देने पर तड़प-तड़पकर दम तोड़ा

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में एक बार फिर विभागीय लापरवाही और अधिकारियों की संवेदनहीनता उजागर हुई है। कलवाह बीट के कुम्हरा मैनहवाह कैंप स्थित टावर पर तैनात स्थाई कर्मी रामचरण बैगा पिता ठिमानी बैगा का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि लगातार बीमार रहने के बावजूद उन्हें छुट्टी नहीं दी गई और इलाज से वंचित कर दिया गया, नतीजा यह हुआ कि बीती रात उन्होंने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। मृतक के पुत्र पंचू बैगा के मुताबिक, उनके पिता को दो-तीन दिनों से तेज बुखार और पेट दर्द की शिकायत थी। उन्होंने अधिकारियों से छुट्टी मांगी थी, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। बीती रात करीब 3 बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। पास ही मौजूद कार्यवाहक वनपाल महोबिया ने उनकी पुकार को अनदेखा कर दिया। आखिरकार इलाज के अभाव में रामचरण ने वहीं टावर पर अंतिम सांस ली।

परिजनों का फूटा गुस्सा

घटना की जानकारी सुबह मिलते ही पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने वन विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि छुट्टी देकर इलाज की अनुमति दी जाती, तो रामचरण की जान बच सकती थी, लेकिन विभागीय अफसरों की बेरुखी और असंवेदनशील रवैये ने एक गरीब परिवार का सहारा छीन लिया।

वन विभाग का नकारा सिस्टम बेनकाब

चौंकाने वाली बात यह है कि मौत की सूचना के बाद भी मौके पर सिर्फ एक बीटगार्ड मौजूद था। वन विभाग का कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे साफ है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में तैनात कर्मियों की जान और स्वास्थ्य की किसी को परवाह नहीं है। लाखों-करोड़ों के बजट और ऊंचे-ऊंचे दावों के बीच यहां के कर्मचारी इलाज और छुट्टी जैसी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं।

प्रशासन से सवाल

क्या विभागीय अफसरों की संवेदनहीनता की कीमत हर बार कर्मचारियों की जान से चुकाई जाएगी? क्या टाइगर रिजर्व सिर्फ बाघों की सुरक्षा तक सीमित है और कर्मचारियों की जिंदगी का कोई महत्व नहीं? आखिर कब तक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधनों के साथ खिलवाड़ होता रहेगा? यह घटना साफ संदेश देती है कि यदि प्रशासन और विभाग ने इस बार भी आंख मूंद ली, तो आगे भी ऐसे हादसे होते रहेंगे। अब वक्त है कि दोषियों को कठघरे में खड़ा किया जाए और कर्मचारियों को बुनियादी अधिकार दिलाए जाएं।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

मृतक के परिजनों ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही नहीं होगी, तब तक विरोध जारी रहेगा। लोगों का आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि विभाग हर बार घटनाओं को दबाने में माहिर है और कर्मचारियों की मौत को सामान्य बताकर पल्ला झाड़ लेता है।

इनका कहना है...

किसी प्रकार का छुट्टी आवेदन हमें प्राप्त नहीं हुआ। मैं दो दिन के लिए ट्रेनिंग पर बाहर हूं। सूचना मिलते ही मैंने उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया है। यदि जांच में छुट्टी मांगने की बात सामने आती है तो, संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महावीर पाण्डेय
रेंजर, कलवाह

पिता पिछले 7 दिन से बीमार थे। उन्होंने कई बार छुट्टी की मांग की, लेकिन छुट्टी नहीं मिली। उन्होंने फोन कर मुझे भी यह बात बताई थी। इलाज न मिल पाने से आज उनकी जान चली गई।

बृजेश कुमार बैगा
मृतक पुत्र

गरीब पिता ने कहा: इलाज के नाम पर डॉक्टर की रिश्वतखोरी
बेटे का हाथ बचाने पिता ने कलेक्टर से लगाई गुहार

शहडोल।

जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉक्टरों की कारगुजारियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सरकारी वेतन और सुविधाएं भोगने वाले कुछ चिकित्सक आज भी मरीजों से खुलेआम वसूली करने में लगे हैं। ताजा मामला डॉ. व्ही.पी. पटेल का है, जिन पर एक पीड़ित पिता ने गंभीर आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में गुहार लगाई है। मामला नाबालिग बच्चे के इलाज से जुड़ा हुआ है, लेकिन डॉक्टर साहब की संवेदनहीनता और पैसों की भूख ने बच्चे को गंभीर संकट में डाल दिया है।

एमपीईबी कॉलोनी, वार्ड नंबर 10, शहडोल निवासी शुभदीप सोनी का बेटा सौर्य सोनी बीते दिनों हाथ में चोट लगने के कारण पीड़ा से गुजर रहा है। पिता का कहना है कि 21 अगस्त 2025 को जब वह बेटे को लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचे, तब डॉ. पटेल ने हाथ में मवाद होने की बात कहते हुए

ऑपरेशन की सलाह दी। जांच रिपोर्ट कराकर ऑपरेशन कराने की सहमति पीड़ित पिता ने तुरंत दे दी। 11 सितम्बर को रिपोर्ट आने के बाद जब पिता बेटे को लेकर डॉक्टर के पास पहुंचे तो असली चेहरा सामने आ गया। डॉक्टर ने इलाज से पहले खर्चा पानी की मांग रख दी। गरीब मजदूर पिता ने बताया कि वह 250 रुपये की दिहाड़ी पर काम करता है और डॉक्टर ने बेटे के ऑपरेशन के लिए 3 हजार रुपये की डिमांड रख दी। बार-बार पैसे की मांग पूरी न कर पाने पर डॉक्टर ने इलाज से साफ इनकार कर दिया और पीड़ित को मेडिकल कॉलेज का रास्ता दिखा दिया। लगातार चार बार जिला चिकित्सालय जाने के बाद भी न तो ऑपरेशन हुआ और न ही कोई मदद मिली। डॉक्टर का रवैया साफ है, पैसा दो तभी इलाज मिलेगा। पीड़ित पिता का दर्द साफ झलकता है, साहब, मैं गरीब हूं, पैसे नहीं दे सकता। डर है कि कहीं इलाज न मिलने से मेरे बेटे का हाथ खराब न हो जाए। पिता की यह पुकार जिले की चिकित्सा व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी है। सवाल यह है कि जब जिला चिकित्सालय जैसे सरकारी संस्थान में गरीबों का मुफ्त इलाज होना चाहिए, वहां खुलेआम रिश्वतखोरी क्यों हो रही है? स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब डॉ. पटेल पर पैसे मांगने के आरोप लगे हैं। पूर्व में भी इस तरह की शिकायतें कई बार उठ चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और चिकित्सा विभाग की मेहरबानी के चलते हर बार मामला दबा दिया गया। नतीजा यह है कि डॉक्टर का हौसला और बुलंद होता जा रहा है। चर्चा यह भी है कि यदि इस बार भी खानापूर्ति वाली जांच कर मामला रफा-दफा कर दिया गया तो डॉक्टर फिर से गरीब मरीजों की जेब काटने में पीछे नहीं हटेंगे। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिले के जिम्मेदार अधिकारी कब तक ऐसे डॉक्टरों पर पर्दा डालते रहेंगे? क्या गरीबों की पुकार और उनके बच्चों की जिंदगी की कोई कीमत नहीं है? यदि प्रशासन ने सख्ती नहीं दिखाई तो आम जनता का भरोसा पूरी तरह से उठ जाएगा। जनसुनवाई में उठी यह शिकायत पूरे जिले के लिए चेतावनी है कि स्वास्थ्य सेवा जैसे पवित्र माने जाने वाले क्षेत्र में भी भ्रष्टाचार ने गहरी पैठ बना ली है। अब समय है कि शासन-प्रशासन आंखें खोलकर ऐसे संवेदनहीन और पैसों के लोभी डॉक्टरों पर कड़ी कार्यवाही करे, ताकि आगे कोई गरीब पिता अपने बच्चे का इलाज कराने के लिए गिड़गिड़ाने पर मजबूर न हो।

लघु वनोपज समिति की बैठक में विकास कार्यों पर जोर
सीसी रोड और स्टॉप डैम निर्माण का प्रस्ताव

जयसिंहनगर।

लघु वनोपज कार्यालय में 16 अगस्त को समिति की एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों, विशेषकर आवागमन की समस्याओं को दूर करने के लिए ठोस प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपाध्यक्ष रामनारायण पांडेय ने बरसात के मौसम में घटित होने वाली समस्याओं को प्रमुखता से रखा। उन्होंने प्राथमिक शाला खैरवार टोला से प्रधानमंत्री सडक़ तक पहुंच मार्ग हेतु सीसी रोड निर्माण का विशेष प्रस्ताव रखा। उनका कहना था कि बरसात में कीचड़ और जलभराव की वजह से छात्रों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में इस मार्ग का निर्माण अति आवश्यक है।बैठक में अध्यक्ष सुनीता सिंह, उपाध्यक्ष रामनारायण पांडेय, प्रबंधक धीरेंद्र सिंह, सदस्य किरण साहू एवं गोविंद सिंह सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने जनहित में रखे गए प्रस्तावों पर सहमति जताते हुए इन्हें प्राथमिकता से पूरा करने पर जोर दिया। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए समय-समय पर इस प्रकार की बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से हो सके।

बुढ़ार तहसीलदार पर गंभीर आरोप: कूटरचित पुल्ली के आधार पर किया अवैध बंटवारा

नकल मांगने पर दी एफआईआर की धमकी

शहडोल। जिले की तहसील बुढ़ार में जमीन बंटवारे को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। ग्राम खैरहा निवासी संतोश केचर ने कलेक्टर को शिकायत देकर तहसीलदार पर अवैध बंटवारे का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार खसरा नंबर 74, 76, 495/1, 497/2, 498, 508/1 और 509/1 की कुल 4.400 हेक्टेयर भूमि का बंटवारा 06 सितंबर 2024 को तहसीलदार बुढ़ार ने 2010 की एक कूटरचित पुल्ली की फोटोकॉपी के आधार पर कर दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह पुल्ली सरपंच द्वारा तैयार की गई थी, जबकि सरपंच को पुल्ली बनाने का अधिकार ही नहीं है। इस दस्तावेज़ में न तो संतोश केचर और न ही अन्य सह-भूमि स्वामियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं। संतोष केचर ने बताया कि जब उन्होंने पुल्ली, पटवारी रिपोर्ट, मौका पंचनामा और आदेश की नकल मांगी, तो तहसीलदार ने उन्हें नकल देने से इनकार कर दिया और उल्टा उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की धमकी तक दे डाली। जबकि संबंधित भूमि का विवाद पहले से ही सिविल न्यायालय बुढ़ार में विचाराधीन है। पीड़ित पक्ष ने कलेक्टर से प्रकरण क्रमांक 115/अ-74/24-25 की निष्पक्ष जांच कराने और तहसीलदार बुढ़ार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

खबर संक्षेप

पात्रता परीक्षा के विरोध में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर दिनांक 15 सितम्बर को प्रधानमंत्री को कलेक्टर अनूपपुर के माध्यम से 1 सितम्बर को शिक्षक पात्रता परीक्षा के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से छूट के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के पूर्व मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के नगर, विकास खण्ड, तहसील एवं जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों सहित जिले में निवासरत प्रांतीय संयोजक जनजातीय कार्य विभाग, संभागीय संगठन मंत्री, एवं संभागीय कोषाध्यक्ष सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय के सामने बने हुए शिवालय प्रांगण में एकत्रित होकर सभी समूह के रूप में संयुक्त कलेक्टेट कार्यालय में ज्ञापन हेतु एकत्रित होकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन सौंपने वालों में अनिल कुमार सिंह प्रान्तीय संयोजक जनजातीय कार्य विभाग, डॉ नरेन्द्र पटेल संभागीय संगटन मंत्री, रामकुमार राठौर संभागीय कोषाध्यक्ष, संजय कुमार निगम जिलाध्यक्ष, तरुनेन्द्र द्विवेदी जिला कोषाध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण मौर्य, कार्यकारणी सदस्य फूल सिंह, राय सिंह ब्लाक अध्यक्ष पुष्पराजगढ़,पारस नाथ यादव, निशांत सिंह, हेतराम साहू, विनीत कश्यप, महेन्द्र तिवारी, महेद्र मिश्रा, भूपेंद्र मिश्रा, बलवंत सिंह लल्लू लाल कुरमेश्वर, सुषमा वारा, सृष्टि लता खलको, पुष्पा मिंज, अनमोल तिग्गा, धर्मेंद्र शाक्यवार, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र पाण्डेय, सहित सैकड़ो की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के निर्देशानुसार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम चचाई, बरगवां, केल्हौरी एवं आंगनबाड़ी केन्द्र चचाई, बरगवां, केल्हौरी ग्राम में क्रमानुसार विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर ने बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनके संरक्षण के संबंध में विधिक सेवा योजना मौलिक अधिकार, एवं कर्तव्य शिक्षा का अधिकार पॉक्सो अधिनियम एवं गुडटच बेडटच के संबंध में जानकारी दी। बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना विधिक सहायता, विधिक सलाह मध्यस्थता योजना इत्यादि की जानकारी दी।

ठेकेदारी प्रथा हटाने तेज हुआ 'करंट', कहा- जिस दिन हम रूके तो मोमबत्तियां ही काम आएंगी

आउटसोर्स ने भरी हुंकार, अब तो रेगुलर करो 'सरकार'

आउटसोर्स कर्मियों ने ऊर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंप की नियमित भर्ती की मांग विभागीय परीक्षा के माध्यम से हो नवीन स्वीकृत पदों मे आउटसोर्स की भर्ती

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बिजली वही है, बल्ब वही है, खंभा वही है, लाइन वही है, पर फर्क बस इतना कि पहले कर्मचारी "सरकारी" कहलाते थे और अब "आउटसोर्स"। और इस फर्क का नाम है- ठेकेदारी कल्चर। यही वह ठेकेदारी है जो नेताओं की चुनावी कोष और अफसरों की जेब का चार्जिंग प्वाइंट बन चुकी है। 16 सितंबर मंगलवार को अनूपपुर जिला मुख्यालय पर यह ठेकेदारी का करंट और ज्यादा तेज़ हो गया, जब मध्यप्रदेश बाह्य स्त्रोत विद्युत कर्मचारी संगठन (भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध) ने ऊर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा - "हम भी स्किल्ड हैं, 20-20 साल से तार पकड़ रहे हैं, अब हमें भी 60 साल तक सेवा का सम्मान दो।" नवीन भर्ती प्रक्रिया में बिजली आउटसोर्स कर्मियों को विभाग में समायोजन के साथ अन्य मांगों व समस्याओं के निराकरण के संबंध में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध मध्य प्रदेश बाह्य स्त्रोत विद्युत कर्मचारी संगठन के जिला इकाई अनूपपुर ने 16 सितंबर मंगलवार को विद्युत विभाग के वृत्त कार्यालय पहुंचकर ऊर्जा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मे लेख किया गया कि वर्तमान में ऊर्जा विभाग द्वारा 49263 नवीन पद स्वीकृत किए गए है। ऊर्जा विभाग में काम करने वाले समस्त ऑउटसोर्स कर्मचारी स्किल्ड कर्मचारी हैं इन कर्मचारियों को विभागीय परीक्षा के माध्यम से विभाग में समायोजित कर (आउटसोर्स कर्मियों को 60 वर्ष तक सेवा करने का सम्मान प्रदान किया जाये) शेष पदों पर बाद में भर्ती की जाए। इससे बिजली कंपनी को योग्य और अनुभवी

कर्मचारी मिल सकेंगे। ज्ञापन के दौरान जिले भर आउटसोर्स कर्मी जिला मुख्यालय मे एकत्रित हुये।

यह भी है इनकी मांग

आउटसोर्स कर्मचारियों ने मांग की है कि करीब 50 हजार रिक्त पदों को मौजूदा एवं सेवा से पृथक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों की विभागीय परीक्षा लेकर उसी प्रकार भरा जाए जैसे ठेका प्रथा लागू होने से पहले पिछले 50 सालों में बिजली डेली वेजेस मस्टर कर्मियों को कच्चे से पक्का किया जाता रहा। इस 50 हजार की भर्ती के बाद भविष्य में होने वाली सीधी भर्ती में अतिथि शिक्षकों की तर्ज पर 50 प्रतिशत पद ऊर्जा विभाग राजपत्र के जरिए बिजली आउटसोर्स कर्मियों को आरक्षित करे व छोटे पद बना कर रेगुलर करें। तमिलनाडु की तर्ज पर मप्र में मुख्य कार्य सीधी भर्ती से कराएं। मप्र के राज्यपाल के हस्ताक्षर होने के बाद राजपत्र क्रमांक 494 दिसम्बर 2020 के मुताबिक बोनस 8.33 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया उसे उसी तिथि से लागू कर 57 माह की 11.67 प्रतिशत की दर से बोनस एरियर राशि हर ठेका श्रमिक को दी जाए, केंद्र सरकार के आउटसोर्स कर्मियों के बराबर मप्र के आउटसोर्स को न्यूनतम वेतन दें, पिछले 20 सालों के दौरान म. प्र. में मिनिमम वेजेस 5 साल की जगह हर बार 9 साल में रिवाइज हुआ, इस घाटे की भरपाई एडिशनल वेजेस देकर की जाए। भाजपा विधानसभा चुनावी संकल्प पत्र के पृष्ठ 81 पर अमल कर आउटसोर्स को संविदा का दर्जा व संविदा समान सुविधा दें। मप्र में ठेकेदारी कल्चर समाप्त कर आउटसोर्स रिफॉर्म नीति बनाई जाए, बिजली कंपनी का निजीकरण नहीं किया जाए। ठेकेदार व बिचौलियों को हटाकर हरियाणा, आंध्र प्रदेश व उप्र राज्य की तर्ज पर मप्र आउटसोर्स सेवा निगम बनाए, 5 वर्ष से अधिक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों को उड़ीसा राज्य की तर्ज पर एक हजार रुपए अतिरिक्त पारिश्रमिक भत्ता दें। कम्प्यूटर व सब स्टेशन संयंत्र ऑपरेटर को कुशल की जगह उच्च कुशल श्रेणी का वेतन दिया जाए, रात्रि पाली में काम करने पर रात्रि भत्ता दें, 10 प्रतिशत आउटसोर्स हेल्पर की जगह सभी आउटसोर्स लाइन हेल्पर , विद्युत सहायक, संयंत्र व सब स्टेशन ऑपरेटरों को जोखिम भत्ता दें। वर्ष 2006 में ठेका प्रथा प्रारंभ होने से लेकर अब तक विद्युत दुर्घटना में मरे व विकलांग ठेका श्रमिकों के परिजनों को बिना शर्त मुआवजा दें एवं मौजूदा मुआवजा राशि 4 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की जाए एवं विद्युत दुर्घटना मृतक के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाये।

मांगें बिजली सी, पर सुनवाई मोमबत्ती जैसी

ज्ञापन में साफ लिखा गया कि 49263 नए पद स्वीकृत हैं, इन्हें विभागीय परीक्षा से भर दो, ताकि आउटसोर्स कर्मियों को सम्मान और कंपनी को अनुभवी कर्मचारी दोनों मिल जाएं। कर्मियों ने कहा कि "बिजली से अंधेरे को भगाने वाले हम लोग खुद अंधेरे में जी रहे हैं।" आज हालत यह है कि जिनके हाथों में तार पकड़कर गाँव-गाँव उजाला फैलता है, उन्हीं के घर अंधेरे में डूबे रहते हैं। वेतन समय पर नहीं, जोखिम भत्ता नाम की चीज़ किताबों तक सीमित है। दुर्घटना हो जाए तो 4 लाख में निपटा दो, जैसे जिंदगी का दाम किसी स्क्रैप मार्केट में तय हो। मजे की बात तो यह है कि जब-जब चुनाव आता है, तो पार्टियाँ अपने घोषणापत्र में आउटसोर्स कर्मियों को "संविदा जैसी सुविधा" का वादा करती हैं। लेकिन चुनाव जीतने के बाद यही वादा तार में लटकते कबूतर की तरह रह जाता है- न उड़ता है, न उतरता है। अगर सरकार सच में "सबका साथ, सबका विकास" चाहती है, तो आउटसोर्स कर्मियों का शोषण रोकना होगा, ठेका कल्चर समाप्त करना होगा और उन्हें सम्मानजनक दर्जा देना होगा। वरना जिस दिन ये कर्मी तार छोड़ देंगे, उसी दिन सत्ता के महलों की बत्तियाँ भी गुल हो जाएंगी।

कारों के कांच तोड़ने वाले असामाजिक तत्वों का पुलिस ने किया खुलासा

ट्रांसपोर्टर आरोपी गिरफ्तार, 5 कारों पर रात में किया गया था पथराव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा 9 एवं 10 सितम्बर की दरम्यानी रात करीब 2 बजे शंकर मंदिर से बस्ती रोड एवं अमरकंटक तिराहा से इन्दिरा तिराहा के बीच सड़क किनारे खड़ी 05 कारों पर पत्थर फेंककर कांच तोड़ने वाले अज्ञात आरोपियो का खुलासा करते हुये आरोपी रौनक मिश्रा निवासी अनूपपुर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि मुकेश कुमार सर्राटी पिता जनार्धन सिहं सर्राटी निवासी वार्ड न. 11 शंकर मंदिर बस्ती रोड अनूपपुर के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी सेलेरियो कार एम.पी. 18 सी 6158 रोड किनारे खड़ी थी जो रात्रि में किन्ही अज्ञात आरोपी द्वारा पत्थर फेंककर कार का सामने का कांच तोड़ दिया गया है। इसके अतिरिक्त मनीष कुमार द्विवेदी निवासी वार्ड न. 09 जैतहरी रोड के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि सड़क किनारे खड़ी इण्डिको कार एम.पी. 04 सी एल 2472 का कांच पत्थर मारकर तोड़ दिया गया है। इसी तरह मनमोहन तिवारी पिता स्व. रामनिहोर तिवारी उम्र 41 वर्ष निवासी वार्ड न. 12 यूनियन बैंक के सामने अनूपपुर थाना की लाल कलर की स्विफ्ट कार क्रमांक 65,1503 जो यूनियन बैंक के सामने रोड किनारे खड़ी थी का कांच तोडकर रखी नई स्टेपनी टायर चोरी कर ली गई जो उक्त रिपोर्ट पर अपराध क्र. 453/25 धारा 303 (2), 324(4) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया। इसी तरह संतोष कुमार पटेल पिता किशोरी लाल पटेल उम्र 60 वर्ष निवासी केडिया पेट्रोल पम्प के पास चेतना नगर अनूपपुर की घर के सामने खडी वेगन आर कार का कांच तोडकर कार के अन्दर पीछे वाली सीट पर रखी एक्साईड कम्पनी की नयी बैटरी कार से कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। उक्त रिपोर्ट पर अपराध क्र. 451/25 धारा 303 (2),324 (4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया। इसी तरह शंकर मंदिर से बस्ती रोड पर घर के किनारे खडी अशोक अग्रवाल की मारूति सुजुकी आर्टिका कार क्र. 65,0-706 का कांच पत्थर मारकर तोड़े जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई। टी.आई कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक संतोष वर्मा, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, आरक्षक प्रकाश तिवारी, अब्दुल कलीम एवं दीपक बुन्देला की टीम के व्दारा अज्ञात आरोपियों की सघनता से पतासाजी की गई एवं घटना स्थल के आस पास लगे करीब 50 सी.सी.टी.वी. कैमरो को खंगाला जाकर अज्ञात आरोपियों के सी.सी.टी.व्ही. फुटेज पुलिस द्वारा जारी किये गये, जिसके उपरांत उक्त वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों का खुलासा करते हुये आरोपी रौनक मिश्रा पिता सुनील कुमार मिश्रा उम्र 23 वर्ष निवासी पुराना आरटीओ आफिस के पास, अनूपपुर को गिरफ्तार किया गया है जिससे पूछताछ पर सहआरोपी जयप्रकाश पटेल पिता लवकेश पटेल उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम कल्लेह थाना जयसिंहनगर जिला शहडोल का खुलासा हुआ है, जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस टीम भेजी गई है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ पर खुलासा हुआ है कि अनूपपुर नगर में एक रात में 05 कारों पर पत्थर फेंककर कार कांच तोडने की आपराधिक घटना को अंजाम देने वाला आरोपी रौनक मिश्रा ट्रांसपोर्टर है एवं सह आरोपी जयप्रकाश पटेल स्थानीय सरकारी शराब ठेके की दुकान पर काम करने वाला कर्मचारी है। पुलिस अधीक्षक महोदय मोती उर रहमान के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ कर उक्त वारदात में शामिल अन्य आरोपी के बारे में पतासाजी एवं साक्ष्य संकलन किया जा रहा है।

हिंदी दिवस एवं 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ

नर्मदा तटवर्ती नवोदय विद्यालय अमरकंटक में हर्षोल्लास के साथ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। माँ नर्मदा के उद्गम स्थल पर स्थित पी.एम. जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक में 14 सितंबर से 28 सितंबर तक चलने वाले हिंदी दिवस एवं पखवाड़ा समारोह का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन विद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में माननीय प्रभारी प्राचार्य नंद कुमार साहू की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत माँ सरस्वती एवं हिंदी साहित्य के युगप्रवर्तक भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। संगीत शिक्षक शेख वाहिद के निर्देशन में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। प्रभारी प्राचार्य नंद कुमार साहू ने अपने उद्बोधन में कहा झ "हिंदी केवल भाषा नहीं, यह जनमानस की भावनाओं की अभिव्यक्ति है। इसी में हमारे समाज को जोड़ने और समझने की अद्भुत शक्ति है।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

कार्यक्रम के अंतर्गत काव्य-पाठ एवं काव्य-चित्र प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता, सरलता और उत्कृष्टता से सबका मन मोह लिया। अंग्रेजी शिक्षक राजीव कुमार झा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए हिंदी भाषा के विकास, स्वरूप और वर्तमान स्थिति पर सारगर्भित विचार साझा किए। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के समस्त सदस्य डी.एस. सेंगर, महेश्वर द्विवेदी, आर.के. झा, आशीष कुमार, विनोद कुमार चौहान, प्रवीण कुमार, अजय कुमार, प्रमोद कुमार, श्रीमती जयश्री पेन्डरे, श्रीमती मुक्ता शरीन, श्रीमती मनोरमा कौशल, सुश्री अंबिका राय, सुश्री भाग्यश्री साहू, सुश्री वैष्णवी श्रीवास्तव, श्रीमती जसप्रीत भाटिया, सुश्री अर्पिता सिंह, एन.के. साहू, भानु प्रताप, सुश्री साक्षी पटेल, स्रजल पाण्डेय, सुश्री योगा मैडम, वेद सिंह, नागेंद्र सिंह परस्ते एवं अन्य शिक्षक-कर्मचारी बहुउद्देशीय सभागार में उपस्थित रहे। हिंदी शिक्षक अतुल सिंह ने सभी अतिथियों, शिक्षकगण एवं कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती मनोरमा कौशल ने किया।

जगह-जगह विराजेंगे देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा

बाजारों मे दिन भर रही चहल-पहल

हरिभूमि न्यूजकोतमा। देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा को लेकर नगर सहित कोयलांचल में तैयारियां जोर-शोर से की जा रही। सप्ताह भर से पंडाल सहित साज-सज्जा भी की जा रही है, वहीं मंगलवार को बाजार में काफी चहल-पहल रही। बुधवार को सुबह से ही पूरे विधि-विधान से देव शिल्पी भगवान की प्रतिमा को स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाएंगी। हर साल 17 सितंबर को देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की धूमधाम से पूजा-अर्चना की जाती है। जिसको लेकर मोटर गैरेज व प्लांटों में पूजा-पाठ को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सप्ताह भर पहले से ही पंडाल व मोटर गैरज सहित लोहा दुकानों में साफ-सफाई का दौर चल रहा था, जो अब पूरा हो चुका है। ऐसे में इस बार छोटे-बड़े मोटर गैरज, संस्थानों, आरा मील, पावर प्लांट, स्टील प्लांट व सरकारी दफ्तरों मे भी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा। वहीं गैरेज संचालकों का कहना है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा विधि-विधान से करने से पूरे साल अच्छी कमाई होती है। जिसको लेकर सभी गैरेज संचालक हर साल 17 सितंबर को अपने प्रतिष्ठान में पूरे दिन सिर्फ पूजा-पाठ ही

करते हैं, इस दिन किसी भी तरह के कार्य नहीं होता हैं। जिसको लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

बाजार में रही चहल-पहल

बुधवार को विश्वकर्मा जयंती होने के कारण मंगलवार को बाजार में पूरे दिन चहल-पहल का माहौल देखा गया इस दौरान फल-मिठाई सहित पूजा सामनों की जमकर बिक्री हुई। जिससे नगर में चहल-पहल का माहौल देखा गया। बताया जा रहा है कि बुधवार को सुबह से ही पूजा-पाठ का दौर शुरू हो जाएगा, जिसके चलते एक दिन पहले ही लोगों ने खरीददारी कर ली है, ताकि दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

प्रतिमा की भी हुई अच्छी बिक्री

नगर में मुखर्जी चौक में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा तैयार की गई, जिसके लिए पहले से आर्डर भी दिया गया था। हालांकि इस बार प्रतिमाओं का भी रेट काफी बढ़ा हुआ है, जिससे छोटी प्रतिमाओं की ज्यादा मांग रही। वहीं मूर्तिकारों का कहना था कि मजदूरी व सामानों का दाम बढ़ जाने के कारण मूर्ति को अधिक दाम पर बेचना पड़ रहा है। जिससे लोग छोटी प्रतिमाओं का ही ज्यादा डिमांड कर रहे हैं। हालांकि विश्वकर्मा जयंती को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है, जिससे अच्छी-खासी बिक्री हुई है। मंगलवार को समिति के लोगों के द्वारा बाजे गाजे के साथ ट्रैक्टर एवं पिकअप वाहन में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा बड़े ही उत्साह के साथ ले जा रहे थे।

यह है मान्यता

मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से सुख, समृद्धि में वृद्धि होती है, ऐसे में जयंती के दिन इंजीनियर शिल्पकार, बुनकर, गैरेज संचालक, प्लांट संचालक विधि-विधान से पूजा करते हैं। साथ ही विश्वकर्मा जयंती के दिन कल पुरजों औजारों और मशीनों की पूजा कर देवशिल्पी से यह निवेदन किया जाता है कि हमारी मशीनें बिना किसी रुकावट के निरंतर चलती रहे, साथ ही भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का निर्माता माना गया है। जिससे इनकी पूजा पूरी निष्ठा के साथ करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

अभिभाषक संघ कोतमा का चुनाव संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मंगलवार को अभिभाषक संघ कोतमा में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित 6 पदों के लिए 20 दावेदारों के बीच शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी उपेंद्र सिंह एवं राम प्रकाश शुक्ला ने बताया कि कुल 373 मतदाताओं में से 332 अधिवक्ता मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष एवं पुस्तकालय प्रभारी पद के लिए 12 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। मतदान को लेकर न्यायालय परिसर में दिनभर हलचल देखी गई। दावेदारे मतदाताओं से वोट मांगते पूरे दिन नजर आए। परिसर में मतदान का असर भी देखा गया। दिन भर अधिवक्ता कार्य में कम मतदान एवं अपने समर्थकों को जिताने में ज्यादा जुटे रहे।

प्रदेश में खाद की कालाबाजारी में मंत्री-अधिकारी शामिल

खाद के बदले बरसाई लाठियां- नेता प्रतिपक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सरकार कहती है कि हमने खाद उपलब्ध करा दिया और जिस प्रकार से रीवा में खाद की दिक्कत की वजह से किसानों पर लाठियां चलाई गई। जब मध्य प्रदेश में पर्याप्त खाद हैं यह खाद कहां जा रही हैं। एक तरफ केंद्र सरकार की फर्टिलाइजर मंत्री जेपी नड्डा कहते हैं कि मध्यप्रदेश में खाद है। मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार अनूपपुर जिला मुख्यालय में अंडर ब्रिज के पास कांग्रेस के पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष रमेश सिंह, पूर्व विधायक सुनील सर्राफ एवं आशीष त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कही। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्य प्रदेश के कई जिलों में खाद की किल्लत को लेकर सरकार के सामने बड़े सवाल खड़े किए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा लोकसभा में दिए गए जवाब से पता चला है कि पिछले 3 सालों से मध्य प्रदेश में जरूरत से ज्यादा खाद है, इन सालों में यूरिया और डीएपी बड़ी मात्रा में बची रह गई, लेकिन इसके बाद भी प्रदेश के किसानों तक यह क्यों नहीं पहुंच पा रहा. खाद के बदले उन पर लाठियां बरसाई जा रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में सरकार के मंत्री और अधिकारी खाद की कालाबाजारी में शामिल हैं।

जरूरत से ज्यादा मांग

पत्रकारों से चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि "इस माह ही रीवा और भिंड में

खाद वितरण के लिए लाइनों में लगे किसानों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई हैं. आखिर यह नौबत क्यों आ रही है, जबकि केन्द्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में खाद सरप्लस है. मिनिस्ट्री ऑफ केमिकल एंड फर्टीलाइजर ने 15 जुलाई को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि प्रदेश में साल 2024-25, 2023-24 और 2022-23 के दौरान यूरिया और डीएपी की उपलब्धता खपत से ज्यादा थी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुझे लगता है, वह भगोड़ा हो गए हैं। किसान का बेटा होकर उन्होंने मध्य प्रदेश में इतने साल राज्य किया। पंजाब में किसानों की फसल को देख रहे पानी में जाकर, वहां से फोटो वायरल कर रहे हैं और कह रहे हैं कि देखो मैं किसानों का हितैषी हूं। लेकिन आपने क्या मध्यप्रदेश में खाद की किल्लत को लेकर कोई समीक्षा की। मुख्यमंत्री के साथ अपने खाद को लेकर कुछ किया, ना आपने किया ना मुख्यमंत्री ने किया।

मुख्यमंत्री बनाना पार्टी की बात

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारा लगाया कि हमारा मुख्यमंत्री कैसा हो, उमंग सिंघार जैसा हो के नारे पर उमंग सिंघार ने कहा कि 2028 अभी दूर है। सुबह जब मैं मां नर्मदा की पूजा अर्चना कर रहा था। तब भी यही नारे लग रहे थे कि हमारा मुख्यमंत्री उमंग सिंघार जैसा हो, तब पुजारी ने पूछा कि आपके मन में क्या है। तब मैंने कहा था कि जब तक मेरा जीवन रहेगा, तब तक में जन सेवा करूं। मैंने यह कभी नही कहा कि मुझे मुख्यमंत्री बनना हैं। पार्टी की बात है, आगे क्या होता है। उन्होने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के नेतृत्व में भाजपा की दमनकारी नीतियों के खिलाफ लड़ता रहेगा। भाजपा की सरकार वोट चोरी से बनी है। 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से धांधली की और इसका सीधा उदाहरण महेश परमार हैं, जो इस षड्यंत्र का शिकार हुए।